नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

जबलपुर 77 वां वर्ष संस्करण

5 मोहे पनघट पर नंदलाल छेड़ गयो री..

6 कलम और कूंची के विलक्षण कलाकार हैं विश्वास

7 मनोविज्ञान, मनोरोग और ज्योतिषीय का एकीकृत दृष्टिकोण

8 स्वियातेक बनीं विम्बलडन चैम्पियन

विमान हादसा : सच आया सामने

- एएआईबी की रिपोर्ट में सामने आई टेक्निकल चूक
- अहमदाबाद विमान हादसे का बड़ा खुलासा

12 जून को हुए विमान हादसे की जांच रिपोर्ट आई | **02** सेकंड पहले बंद हो गए थे दोनों इंजन | **15** पन्नों की रिपोर्ट में विमान दुर्घटना जांच का बड़ा खुलासा हुआ है

नयी दिल्ली/अहमदाबाद, 12 जुलाई. एयर इंडिया की अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट एआई-171 के 12 जून को हुए विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट सामने आ गई है. विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की 15 पन्नों की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है कि हादसे की प्रमुख वजह टेकऑफ के कुछ सेकेंड बाद दोनों इंजनों को ईंधन आपूर्ति करने वाले स्विच का अचानक कट-ऑफ मोड में चले जाना था.

जांच में पता चला कि कॉकपिट में मौजूद दोनों पायलटों ने स्विच को तुरंत दोबारा चालू करने की कोशिश की, लेकिन तब तक विमान काफी नीचे आ चुका था और वह समय पर ऊंचाई हासिल नहीं कर सका. हादसे में 271 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें यात्री, चालक दल और मेडिकल हॉस्टल में मौजूद स्थानीय लोग शामिल थे.

ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट संवाद का खुलासा: रिपोर्ट के अनुसार, टेकऑफ के 90 सेकेंड के भीतर ही विमान ईंधन के अभाव में तेजी से नीचे गिरने लगा. इस दौरान कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में दर्ज संवाद में एक पायलट ने दूसरे से पूछा,तुमने कट-ऑफ क्यों किया?

जिस पर जवाब आया, मैंने नहीं किया: यह संवाद दर्शाता है कि स्विच अनजाने में बंद हो गए थे, न कि किसी मानवीय गलती से. दोनों पायलटों ने तुरंत रन मोड में स्विच को वापस किया. इंजन-1 ने प्रतिक्रिया दी, लेकिन इंजन-2 पूरी तरह एक्टिव नहीं हो पाया. क

एएआईबी ने कहा कि जेट इंजन को उड़ान के दौरान दोबारा शुरू करने में 29 सेकंड से अधिक समय लगता है, जबकि उस वक्त विमान केवल 625 फीट की ऊंचाई पर था. इतनी कम ऊंचाई में इंजन से दोबारा थ्रस्ट मिलना संभव नहीं हो सका.

एएआईबी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि एटीसी ने मेडे कॉल मिलते ही इमरजेंसी की घोषणा कर दी थी. हादसास्थल की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी ड्रोन के जरिए की गई थी.

प्रारंभिक रिपोर्ट पर विशेषज्ञों ने उठाए गंभीर सवाल

पिछले महीने हुए एयर इंडिया विमान हादसे की शुरुआती रिपोर्ट जारी होने के बाद से ही विभिन्न विमानन विशेषज्ञों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं. रिपोर्ट में कई बड़ी बातों का पता चला है. विमानन विशेषज्ञ संजय लाजर ने कई सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा, यह रिपोर्ट जवाबों से ज़्यादा सवाल खड़े करती है. इसमें कई खामियां हैं, जो जांच आगे बढ़ने पर शायद पूरी हो जाएँ.लाजर ने विशेष रूप से यह जानने की उत्सुकता व्यक्त की कि आखिर अमेरिकी मीडिया को इस रिपोर्ट के तीन दिन पहले ही कैसे सतर्क कर दिया गया था. नागर विमानन महानिदेशालय के पूर्व फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर कैप्टन प्रशांत ढल्ला ने रिपोर्ट पर कहा कि कई ऐसे पहलू हैं जिन पर सरकार और एजेंसियां गौर कर रही हैं. उन्होंने एएआईबी से कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर की पूरी ट्रांसक्रिप्ट सार्वजनिक करने की माँग की और कहा कि केवल एक पंक्ति की जानकारी देने से कई सवाल खड़े हो जाते हैं. लाजर ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि जब जाँच पूरी नहीं हुई थी.

रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहा मंत्रालय- नायडू

नायडू ने कहा कि यह रिपोर्ट फिलहाल प्रारंभिक स्तर की है और मंत्रालय इसमें सामने आई बातों का विश्लेषण कर रहा है. उन्होंने कहा कि मंत्रालय की ओर से हम इसका गहराई से विश्लेषण कर रहे हैं. नायडू ने कहा कि एएआईबी एक स्वतंत्र संस्था है और हम उन्हें हर संभव सहयोग दे रहे हैं. हमें उम्मीद है कि अंतिम रिपोर्ट जल्द आएगी ताकि हम किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंच सकें. राम मोहन नायडू ने भारतीय विमानन क्षेत्र के पायलटों और क्रू की तारीफ की.

विदेश जाने के पूर्व बाबा महाकाल का दर्शन कर अभिभूत हूं : सीएम डॉ. मोहन यादव

- नरसिंह घाट पर स्नान कर किया पूजन-अर्चन
- मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं से सीएम ने की चर्चा

उज्जैन, 12 जुलाई . दुबई और स्पेन की यात्रा पर जा रहा हूं पहले दिल्ली पहुंचूंगा फिर वहां से निवेश के लिए विदेश यात्रा होगी, जहां से 20 जुलाई तक लौटूंगा. इससे पहले बाबा महाकाल के दर्शन पूजन करने का जो सौभाग्य मिला है, वह मुझे अभिभूत कर गया, सावन का पवित्र महीना प्रारंभ हो गया है, ऐसे में बाबा के आंगन में मन आल्हादित हो गया है, यह बात मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहीं.

शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव धर्मपत्नी सीमा यादव के साथ महाकाल मंदिर पहुंचे,रात्रि में होने वाली भस्म आरती में शामिल होने के पश्चात परिसर के सभी देवालय शिवालय में भी पूजन अर्चन किया, मीडिया से चर्चा में बोले की प्रदेश की बेहतरी और देश की तरक्की के लिए बाबा महाकाल से प्रार्थना की है. सीएम ने कहा रोजगार से लेकर नौकरियां मध्य प्रदेश सरकार देने के लिए प्रतिबद्ध है. पुजारी आकाश गुरु ने पूजन संपन्न करवाया और जिला कलेक्टर रोशन कुमार सिंह द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत सत्कार किया गया.

विश्वभर से बाबा महाकाल का दर्शन करने के लिए श्रद्धालु आते हैं, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शनिवार को जब मंदिर पहुंचे तो कई श्रद्धालुओं से उन्होंने चर्चा की, सीएम ने पूछा कि कौन श्रद्धालु कहां से आया है और सुलभता से दर्शन हुए कि नहीं ,ऐसे में सभी दर्शनार्थियों ने कहा कि बाबा महाकाल के दर्शन सभी को सुलभता से हुए है और वह बार-बार आना चाहेंगे.

मुख्यमंत्री जब जब उज्जैन आते हैं तब तक शिप्रा के नरसिंह घाट पर जाने का उनका प्लान बनता है बावजूद इसके व्यवस्था के चलते नहीं पहुंच पाते हैं शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने समय निकाला और नरसिंह घाट पर शिप्रा नदी में उन्होंने न सिर्फ स्नान किया बल्कि थोड़ी देर तक तेराकी भी की. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव वर्षों से इस घाट पर स्नान करते आ रहे है,व तैराकी दल के सदस्य भी है.

हर बहन को बनाकर देंगे पक्का मकान : सीएम

भोपाल . मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राखी भाई-बहन के परस्पर स्नेह का बंधन है. यह अनंतकाल से चला आ रहा अटूट बंधन है. राखी 9 अगस्त को है. अगस्त माह में प्रत्येक लाड़ली बहन को 1500 रुपए मिलेंगे. हम यही नहीं रुकेंगे, बल्कि प्रदेश की हर लाड़ली बहन को पक्का मकान भी बनाकर देंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को उज्जैन जिले की ग्राम पंचायत नलवा में लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता राशि सहित अन्य योजनाओं के तहत बहनों को सहायता राशि वितरण के राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की 1.27 करोड़ लाडली बहनों को 26वीं किश्त के रूप में 1543.16 करोड़ रुपए की सहायता राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 30 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत सिलेंडर रिफिलिंग के लिए 46.34 करोड़ रुपए सब्सिडी राशि तथा 56.74 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपए की पेंशन राशि भी उनके बैंक खातों में अंतरित की.

1543.16 करोड़ रुपए की सहायता राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की

एक नजर में

दस करोड़ की ड्रग के साथ महिला गिरफ्तार

नैनीताल. उत्तराखंड के चंपावत में पुलिस और विशेष अभियान समूह ने नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावशाली एवं संगठित कार्रवाई करते हुए शनिवार को 10 करोड़ से अधिक मूल्य की एमडीएमए ड्रग के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। कुमाऊं की पुलिस महानिरीक्षक रिद्धिम अग्रवाल ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मुम्बई की ठाणे पुलिस द्वारा पिथौरागढ़ में मादक द्रव्य अधिनियम के तहत की गई कार्रवाई.

क्यूआर कोड के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली. कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों द्वारा 'क्यूआर कोड' प्रदर्शित करने के कथित सरकारी निर्देश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर की गई है. याचिका में कहा गया है कि यह आदेश संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 17, 19 और 21 का उल्लंघन करता है और अल्पसंख्यक समुदाय के दुकानदारों के अधिकारों का सीधा हनन है. यह याचिका दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अपूर्वानंद झा की ओर से दाखिल की गई है.

दोस्ती कर धर्म परिवर्तन के लिए बनाया दबाव

नाम बदलकर युवती से दुष्कर्म, बजरंग दल ने थाने पर किया प्रदर्शन

ग्वालियर, 12 जुलाई. जिले में एक हिंदू युवती से दोस्ती कर दुष्कर्म करने और फिर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का मामला सामने आया है. पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया. इसकी जानकारी लगते ही आरोपी घर से फरार हो गया. उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है.

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कार्रवाई की मांग को लेकर बहोड़ापुर थाने के बाहर प्रदर्शन किया.

मामला शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र का है. यहां लक्कड़खाना निवासी शान खान ने वर्ष 2023 में नाम बदलकर युवती से दोस्ती की थी. उसने युवती को अपना नाम शान शर्मा बताया था. इसके बाद उसने युवती को मिलने के लिए बहोड़ापुर बुलाया और वहां एक कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया. आरोपी ने जल्द शादी का वादा कर दो साल तक पीड़िता का शोषण किया. उसने दो अलग-अलग जगह किराए पर कमरा लेकर पीड़िता को लिव-इन रिलेशनशिप में भी रखा. जब पीड़िता को उसका असली नाम और धर्म पता चला, तो वह मारपीट कर धर्मांतरण का दबाव बनाने लगा.

> पीड़िता ने बताया कि वह शादी समारोहों में इवेंट का काम करती है. उसी दौरान उसकी मुलाकात आरोपी शान से हुई थी, जिसने अपना नाम छिपाकर खुद को शान शर्मा बताया था.

डब्ल्यूएचओ ने की आयुष की सराहना

नई दिल्ली, 12 जुलाई. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग के लिए भारत की सराहना की है, इसे एक ऐतिहासिक और अग्रणी कदम बताया है. डब्ल्यूएचओ ने अपनी पहली तकनीकी रिपोर्ट पारंपरिक चिकित्सा में एआई के अनुप्रयोग का मानचित्रण में भारत के प्रयासों को वैश्विक मानक के रूप में मान्यता दी है. यह रिपोर्ट भारत के प्रस्ताव पर तैयार की गई है और इसमें आयुष में तकनीक के प्रभावी उपयोग को विस्तार से समझाया गया है. रिपोर्ट में बताया गया है.

सौजन्य भेंट

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल ने शनिवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से सौजन्य भेंट की.

अब पारदर्शी होगी रेलवे भर्ती प्रक्रिया

नकल रोकने 100 प्रतिशत जैमर और फेस वेरीफिकेशन अनिवार्य

नई दिल्ली, 12 जुलाई. भारतीय रेलवे ने भर्ती प्रक्रिया को तेज़, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में बड़े सुधारों की घोषणा की है. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में किए गए इन बदलावों का मकसद युवाओं को अधिक सुलभ और निष्पक्ष अवसर उपलब्ध कराना है. नई व्यवस्था के तहत अब भर्ती प्रक्रिया 8 महीने में पूरी की जाएगी.

रेलवे ने ग्रुप सी के पदों (एएलपी, टेक्नीशियन, एनटीपीसी, पैरामेडिकल, आरपीएफ और लेवल-1) के लिए वार्षिक भर्ती कैलेंडर जारी किया है. अभ्यर्थियों को 250

किमी के भीतर परीक्षा केंद्र आवंटित किए जाएंगे. विशेष परिस्थितियों में यह दूरी अधिकतम 500 किमी तक हो सकती है. रोजाना 325 परीक्षा केंद्रों पर 350 परीक्षार्थियों की क्षमता सुनिश्चित की गई है. सुचारू संचालन के लिए 25,000 नोड्स और 5,500 हाई-कैपेसिटी सर्वर लगाए जा रहे हैं.

> परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए रेलवे ने तकनीकी उपायों का सहारा लिया है. आधार आधारित ई-केवाईसी और रियल टाइम फेस वेरीफिकेशन अनिवार्य किया गया है. आवेदन और परीक्षा के दिन लिए गए फोटो का मिलान किया जाएगा. देशभर के 7,000 से अधिक केंद्रों पर 100 प्रतिशत जैमर की व्यवस्था की गई है, जिससे जून 2025 की परीक्षाओं में नकल के मामले शून्य रहे.

जल्द घर लौटेंगे शुभांश

- 7 दिन का रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम तय
- इसरो ने स्वास्थ्य पर कही ये बात

नई दिल्ली, भारत के गगनयात्री और वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई को अंतरिक्ष से धरती पर लौट सकते हैं. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया है कि शुभांशु अभी पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनका मनोबल भी ऊंचा है. शुक्ला इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आएसएस) पर हैं और 14 दिन के अंतरिक्ष मिशन पर गए हैं. यह भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि वह पहले भारतीय हैं जो आईएसएस पर गए.

इसरो के अनुसार, शुभांशु शुक्ला अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियों और स्वयंसिद्ध स्पेस के सहयोग से चल रहे एक्सिओम मिशन का हिस्सा हैं. वे 14 जुलाई को अपने तीन सहयोगियों – पेगी व्हिटसन, स्लावोस वुजनस्की और टिबोर कापू के साथ ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार होकर वापसी करेंगे. यह यान 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे अमेरिका के कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में लैंड करेगा.

अंतरिक्ष में किए भारत के अहम वैज्ञानिक प्रयोग

अपने मिशन के दौरान शुभांशु ने माइक्रोग्रैविटी में सात वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम दिया. इनमें से चार पूरी तरह सफल रहे और तीन अंतिम चरण में हैं. पूरे मिशन के लिए इसरो, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और नासा ने मिलकर इन प्रयोगों को डिजाइन किया था. ये प्रयोग भविष्य में भारत के अंतरिक्ष अभियानों, गगनयान और संभावित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आधार तैयार करेंगे.

7 दिन का रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम तय

इसरो ने बताया कि शुभांशु के लौटने के बाद उन्हें 7 दिनों के रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) कार्यक्रम से गुजरना होगा. यह प्रक्रिया उन्हें पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के अनुसार ढालने के लिए की जाएगी. इस दौरान इसरो के फ्लाइट सर्जन उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति की नियमित निगरानी करेंगे. स्प्लैशडाउन 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे होगा.

संविधान सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन का एक साधन : गवई

हैदराबाद, 12 जुलाई.उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने संविधान को सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का एक माध्यम करार दिया है.

उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय में शनिवार को भारतीय संविधान पर एक प्रभावशाली और विचारोत्तेजक व्याख्यान देते हुए भारतीय संविधान की शक्तियों और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों की भी इस दौरान जिक्र किया. उन्होंने कहा, संविधान मेरे दिल के बहुत करीब है.उन्होंने 1946 में उद्देश्य प्रस्ताव से लेकर 1949 में इसके अंगीकृत होने तक के इसके सफ़र का ज़िक्र करते हुए कहा कि आधुनिक भारत के इस आधारभूत दस्तावेज़ को आकार देने में डॉ अम्बेडकर की बौद्धिक क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण रही है.

न्यायमूर्ति गवई ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सुधारों के बिना अधिकार निरर्थक हैं.

रोजगार मेला | बोले- बिना पर्ची, बिना खर्ची हो रही भर्ती

पीएम मोदी ने युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली, 12 जुलाई. देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ. इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे. साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया.

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है. पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. बिना पर्ची, बिना खर्ची.

देश की विकास रफ्तार तेज करेंगे ये युवा : पीएम

युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे. उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ सबका साथ, सबका विकास के सच्चे सिपाही बनेंगे. कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे.

राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ी पहचान

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा. उन्होंने कहा कि आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं, और वह है- देश की सेवा. बता दें कि इस दौरान पीएम मोदी ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है.